C-10

मन्द बुद्धि बालक की शिक्षा
(Education of Mentally Retaraded Child)

मन्द बुद्धि बालक की शिक्षा का वही स्वरूप होना चाहिए, जो पिछड़े बालक की शिक्षा का है। इनकी शिक्षा के लिए निम्न व्यवस्था होनी चाहिए :—

1. विशिष्ट विद्यालयों की स्थापना।
2. विशिष्ट कक्षाओं की स्थापना।
3. अच्छे शिक्षकों की नियुक्ति।
4. छोटे समूहों में शिक्षा।
5. विशेष पाठ्यक्रम का निर्माण।
6. विशिष्ट विद्यालयों का संगठन।
7. अध्ययन के विषय।
8. हस्तशिल्पों की शिक्षा।
9. सांस्कृतिक विषयों की शिक्षा।
10. विशेष शिक्षण विधियों का प्रयोग।

इनके माध्यम से मन्द बुद्धि बालकों की शिक्षा को व्यावहारिक रूप

Scanned with CamScanner

21 प्रदान कर सकते हैं जो उनको किसी न किसी कार्य में दक्ष करके जीवनयापन करने योग्य बनाती है।

* मन्द बुद्धि बालकों का शिक्षक (Teacher of Mentally Retarded children)

मन्द बुद्धि बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि उनके लिए विशिष्ट विद्यालय हों तथा शिक्षक प्रशिक्षित हों। इसके अतिरिक्त भी शिक्षकों में कुछ विशेषताएँ होनी चाहिए ताकि वे पिछड़े मन्द बुद्धि बच्चों को सहज व उपयोगी शिक्षा दे सकें। इसके लिए शिक्षक का विशेष प्रशिक्षित व व्यावहारिक होना जरूरी है।—

1. शिक्षक को बालकों का सम्मान करना चाहिए।
2. शिक्षकों को बालकों की सहायता, परामर्श और निर्देशन देने के लिए तैयार रहना चाहिए।
3. शिक्षकों को बालकों को एक या दो हस्तशिल्पों की शिक्षा देने में कुशल होना चाहिए।
4. शिक्षक को स्वयं शारीरिक श्रम को महत्व देना चाहिए व बालकों को श्रम का महत्व सामुहिक विधि से सिखाये।
5. शिक्षक को धीमी गति से पढ़ाना चाहिए व अपने पढ़ाये हुए पाठ को बार-बार दोहराना चाहिए।

Scanned with CamScanner

NOTES

APPOINTMENTS

22

7. शिक्षक को बालकों के स्वास्थ्य समस्याओं और सामाजिक दशाओं का व्यक्तिगत रूप से ज्ञान होना चाहिए व उनको हल करने का प्रयास करना चाहिए।

8. मन्द बुद्धि व पिछड़े बच्चों को पढ़ाने के लिए सरल विधियों, मूर्त वस्तुओं और सामूहिक क्रियाओं का प्रयोग करना चाहिए तथा शिक्षण को रोचक बनाने के लिए सभी प्रकार की दृश्य-श्रव्य सामग्री का उपयोग करना चाहिए।

9. शिक्षक को बालकों में संवेगात्मक संतुलन और सामाजिक समायोजन के गुणों का विकास करना चाहिए।

10. शिक्षक में इतना आत्म-विश्वास हो कि वह उनमें प्रगति कर सकता है तथा धैर्य व संकल्प के गुण हों ताकि वह बालकों की मन्दगति से हतोत्साहित न हो।

अतः इस प्रकार से कहा जा सकता है कि मन्द बुद्धि बालकों के शिक्षकों को उनको शिक्षा देने के लिए विशिष्ट कुशलता और प्रशिक्षण से सुसज्जित होने के अलावा बहुत धैर्यवान, सहनशील और सहानुभूति होना चाहिए।

Unjust rule never endures prepetually.

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	Su	Mo	Tu	August
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	

Scanned with CamScanner